मिशन शिक्षण संवाद

दिवस विशेष कविता संग्रह

फरवरी

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'

अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू० पी०

तटरक्षक बल दिवस

01

भारतीय तटरक्षक का आविर्भाव,
समुद्र के राष्ट्रीय क्षेत्राधिकार में हुआ।
जीवन और संपत्ति की सुरक्षा हेतु,
1 फरवरी 1977 को सेवा रूप में हुआ।।

समुद्र तस्करी समस्याओं से निपटने के लिए
सितम्बर 1974 को योजना बनाया गया।
श्री के एफ रुस्तम जी की समिति सिफारिश से,
शान्ति काल में, समुद्र सुरक्षा को बनाया गया।।

यह दुनिया का चौथा बड़ा तटरक्षक है,
158 जहाज, 17 विमान संग रक्षक है ।
समुद्री क्षेत्र में, नियमों को लागू करता,
बहु-मिशन संगठन भारतीय तटरक्षक है।।

'वंयम रक्षामः' है आदर्श वाक्य इसके,
18 अगस्त 1978 को अधिनियम बनाया गया।
भारत सरकार रक्षा मंत्रालय का है अंग,
मुख्यालय इसका, नई दिल्ली में बनाया गया।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

विश्व आर्द्रभूमि दिवस

02

ऐसे स्थान जो हर समय,
पानी में जलमग्न हैं रहते।
जैव विविधता वाले क्षेत्र होते,
आर्द्रभूमि इनको है कहते ।।

आर्द्रभूमि सतही जल से,
प्रदूषको को हटा, गुणवत्ता बढ़ाते।
धरती माता के 'गुर्दे' हैं ये,
रक्षा, संरक्षण और पोषण कराते।।

विश्व वेटलैड्स दिवस, विश्व में
2 फरवरी 1997 से मनाया जाता है।
1971 में इरानी शहर रामसर में,
कन्वेंशन हस्ताक्षर के जश्न मनाया जाता है।।

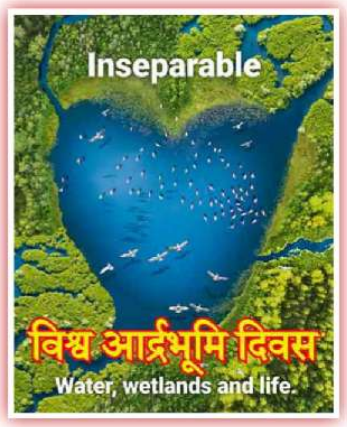

विश्व आर्द्रभूमि दिवस प्रतिवर्ष,
2 फरवरी को मनाया जाता है।
विश्व में आद्र भूमि के बचाव हेतु,
संरक्षण की जागरूकता लाया जाता है।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

राष्ट्रीय गुमशुदा दिवस

03

खो गया कोई या हुआ लापता ?
सैकड़ों अनसुलझे प्रश्न कैसे हो पता।

अपनों से बिछड़ने का है ग़म,
गुमशुदा के प्रियजनों की क्या है ख़ता।।

गली, मुहल्ले, चौराहे पर खोजें,
अखबार, रेडियो, टीवी पर खबरें भेजें।

कोई तो बता दे, पता उनका,
घर वाले भटकते तस्वीर सहेंजे।।

किसी प्रियजन के खोने के सदमे से बचाव हेतु,
राष्ट्रीय गुमशुदा व्यक्ति दिवस मनाते हैं ।

3 फरवरी को दिवस विशेष बनाकर,
जागरूकता, मिलने की संभावना बढ़ाते हैं।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

विश्व कैंसर दिवस

04

जब शरीर के कुछ उत्तक,
अनियंत्रित रूप से है बढ़ने लगते।
सामान्य ऊतकों को, नष्ट करें यह,
मानव शरीर का, इसे कैंसर है कहते।।

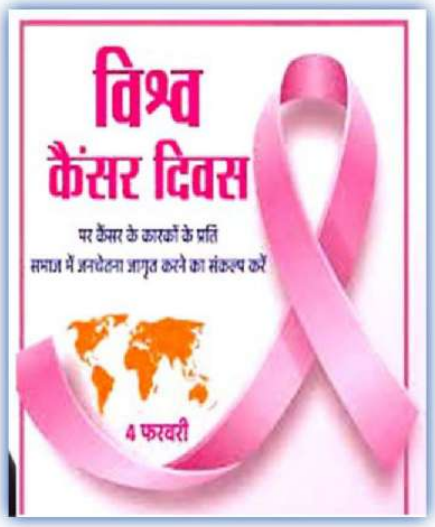

अत्यधिक थकान, वजन कम होना,
गाठं, तेज दर्द, त्वचा में बदलाव होना।
कैंसर के होते हैं, कुछ लक्षण,
बलगम, पेशाब में खून का होना।।

पहली बार 1933 में पेरिस में,
कैंसर के खिलाफ सम्मेलन किया गया।
पेरिस चार्टर के लक्ष्य और विचारों को,
विश्व कैंसर दिवस का रूप दिया गया।।

विश्व कैंसर दिवस के प्रमुख उद्देश्य,
बीमारी के कारण और निवारण को जानना।
कैंसर पीड़ितों से भावनात्मक जुड़ाव हो,
कैंसर के फैलाव को, विश्व में है रोकना।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

चौरी-चौरा कांड

05

भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास में,
5 फरवरी का दिन है,बहुत खास।
ऐतिहासिक घटना घटी गोरखपुर में,
प्रदर्शनकारियों पर हुए लाठी बरसात।।

हमला बोल प्रदर्शनकारियों ने,
दिया था करारा, उन्हें जवाब।
एक पुलिस चौकी को आग लगाये,
22 पुलिसकर्मी हुये उसमें ख़ाक ।।

हिंसा विरोधी गांधी जी ने,
असहयोग आंदोलन वापस लिया।
इतिहास में इस घटना को,
चौरी-चौरा कांड नाम दिया।।

उन क्रान्तिकारियों के याद में,
चौरीचौरा रेलगाड़ी चलाई गई।
शहीद स्मृति के रूप में स्तंभ भी,
उस जगह विशेष पर लगाई गई।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

लता मंगेशकर पुण्यतिथि

06

सुरों की मल्लिका थी आप,
स्वर कोकिला थी आप ।
मंद मुग्ध करते गीत तुम्हारे,
हिन्दुस्तान के ह्रदय में बसती आप।।

आपके मधुर गुंजन से सुबह है होती,
पशु-पक्षी, सागर गीतों में है गूंजती।
अद्भुत सुर सरगम की रानी थी आप
संगीत साधिका तुम्हें दुनिया है कहती।।

मृदुभाषी, ममतामयी 'लता' था नाम,
'भारत रत्न' सर्वोच्च मिला सम्मान।
30 से ज्यादा भाषाओं में गीत गायीं,
सिनेमा में पार्षद गायिका की पहचान।।

28 सितम्बर 1929 को जन्मीं,
दीनानाथ मंगेशकर था पिता का नाम।
माता शेवन्ती मंगेशकर जी की पुत्री,
शास्त्री संगीत से ही मिला पहचान।।

'नंगे पैरों' से ही गाना गाती थी आप,
संगीत था आपके लिए ईश समान।।
6 बार फिल्म फेयर पुरस्कार पाई,
दादा साहब फाल्के मिला सम्मान।।

6 फरवरी 2022 को छोड़ दिया देह,
सदियों तक अमर रहेंगी गीतों की नेह।
पुण्यतिथि पर करते हैं शत-शत प्रणाम,
शोकाकुल नयन बरसाते,तुम्हें अश्रु स्नेह।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

शचींद्रनाथ सान्याल पुण्यतिथि 07

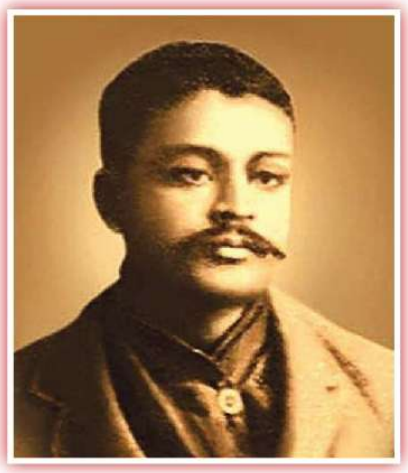

एक सच्चे राष्ट्रवादी और स्वतन्त्रता सेनानी,
इस क्रान्तिकारी ने,अंग्रेजों से हार न मानी।
हथियार, बल, और सातिर उपाय करते प्रयोग,
युवा समर्थकों को प्रेरित कर कमान संभाली।।

3 अप्रैल 1893 को, बनारस में जन्में,
बंगाली बाहृमण, शचींद्रनाथ था नाम।
पिता हरिनाथ, माता खरोड़ वासिनी के पुत्र,
अनुशीलन समिति के स्थापना का किया काम।।

1912 में रासबिहारी बोस के साथ,
दिल्ली षड़यंत्र मुकदमे में हमला किया।
वायसराय हार्डिंग घायल, पत्नी की मृत्यु हुई,
सान्याल को आजीवन कारावास सजा दिया।।

अंडमान निकोबार जेल में कैदी रहे,
'द लाइफ आफ कैप्टिविटी' पुस्तक लिखें,
दो बार वह, पोर्ट ब्लेयर सेलुलर जेल गये,
7 फरवरी 1942 में, अनकी मृत्यु हो गई।

सच्चे क्रान्तिकारी के पुण्यतिथि पर,
भारत करता है शत-शत नमन।
विश्व पटल पर अमिट रहे तिरंगा,
भारत में सदा सर्वदा विराजे अमन।।

सर्वाधिकार सुरक्षित

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

जगजीत सिंह जन्मदिन

08

मधुर संगीत व उर्दू जुबान को,
आम आदमी तक पहुँचाये।
संगीतकार, गायक संगीत निर्देशक,
जगजीत सिंह 'ग़ज़ल किंग' कहलाये।।

8 फरवरी 1948 को जन्में,
जगमोहन सिंह धीमान था पूरा नाम।
पिता सरदार अमर सिंह धीमान थे,
राजस्थान के गंगानगर में जनमस्थान ।।

पिता से संगीत विरासत में मिला,
शास्त्रीय संगीत की बारीकियाँ सीखा।
सैनिया घराने के उस्ताद जमाल खाँ से,
ख़्याल, ठुमरी और ध्रुपद गायन सीखा।।

गिटार, हरमोनियम, वायलिन वाद्ययंत्र का,
ग़ज़ल गायकी में, आप करते थे प्रयोग।
वर्ष 2003 में 'पद्म भूषण' से सम्मानित हुये,
10 अक्टूबर 2011 को, सीधारे स्वर्ग लोक।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

बालकृष्ण चापेकर पुण्यतिथि

09

भारतीय स्वतन्त्रता सेनानी एवं समाजसेवी,
'चापेकर बंधु' नाम से, प्रसिद्ध है कहानी ।
बाल कृष्ण 1873 पुणे, महाराष्ट्र में जन्में,
बचपन से ही सैनिक बनने की थी थानी।।

कीर्तनकार का यश विरासत में था मिला,
महर्षि पटवर्धन व तिलक से प्रेरणा मिली
महारानी विक्टोरिया के पुतले पर उन्होंने,
तारकोल पोत कर, उस पर माला पहनायी।।

'हीरक जयंती' समारोह पर उन्होंने,
दो ब्रिटिश अधिकारियों को मारा था।
रैण्ड और ले० एम्हर्स्ट को आप ने,
प्लेग विरोधी अभियान के लिए मारा था।।

जनवरी 1896 में प्लेग महामारी था फैला,
रैंड ने औरतों और बच्चों के कहर बरपाया।
चापेकर बंधुओं ने मुक्ति पाने को
क्रांतिकारी कदमथा उठाया।।

रैंड की हत्या में शामिल होने पर,
अंग्रेजों ने फांसी की सजा सुनायी।
9 फरवरी पुण्यतिथि है अनकी,
भारत के लाल ने अपनी फर्ज निभायी।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

विश्व दलहन दिवस

10

अरहर, चना, मूंग, मसूर
दालों में है पोषक भरपूर।
दाल बिना है खाना अधूरा,
दाल खाये हम, रोज जरूर।।

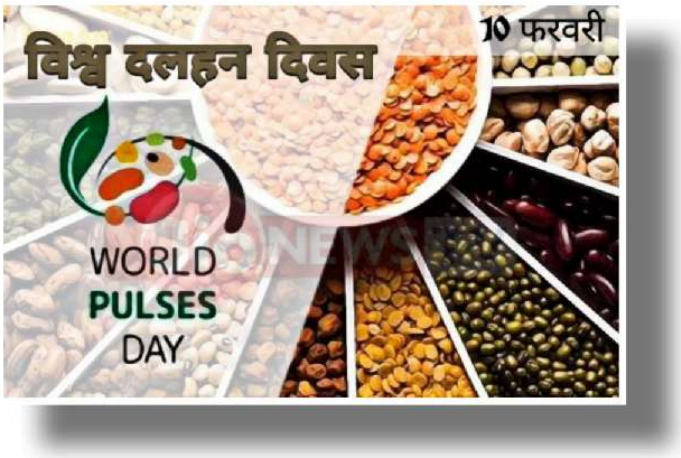

दाल प्रोटीन के होते स्रोत,
कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं ।
रक्त शर्करा नियंत्रित करने में,
मोटापे से लड़ने में मदद करते हैं।।

दाल नगदी फसलों में हैं आते,
नाइट्रोजन फिक्सिंग, मिट्टी उर्वरा बनाते हैं।
दलहन को फली रूप में भी जाना जाता,
किसानों को, ये आर्थिक लाभ पहुँचाते हैं ।।

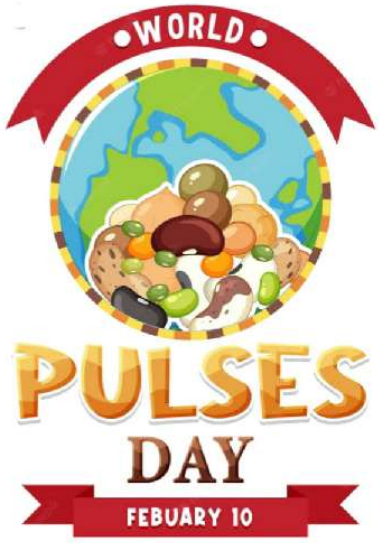

प्रतिवर्ष 10 फरवरी को,
'विश्व दलहन दिवस' मनाया जाता है।
दलहन की पैदावार बढ़ाने के लिये,
जन-जागरूकता लाया जाता है ।।

विश्व दहन दिवस मनाने का फैसला,
सन 2016 UNO द्वारा किया गया।
पहली बार, यह दिवस विशेष,
10 फरवरी 2018 में मनाया गया।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

तस्करी विरोधी दिवस

11

अवैध रूप से सामान या व्यक्ति को,
एक देश से दूसरे देश ले जाते हैं।
आर्थिक लाभ का कारण ये बनते,
नशीले पदार्थ, पैसा या चोरी आते हैं।।

आज कोई भी देश या उद्योग,
तस्करी के प्रभाव से नहीं है सुरक्षित।
इस समस्या के समाधान के लिए,
फिक्की ने तस्करी विरोधी उद्देश्य किये लक्षित।।

फिक्की के अनुसार इस मुद्दे पर,
ध्यानाकर्षण करने की है जरूरत।
अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों, नीति निर्माताओं द्वारा,
प्रतिबद्धता से बने, समाज खूबसूरत ।।

11 फरवरी 2022 को पहली बार,
तस्करी विरोधी दिवस मनाया गया।
तस्करी से होने वाले दुष्प्रभाव से,
जागरूकता समाज में लाया गया।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस

12

उत्पादन में नियोजन, कौशल ऊर्जा एवं
बुद्धिमत्ता संसाधन के अवसर प्रदान करता है।
उत्पादक गुणवत्ता के प्रति जागरूकता,
नवाचार और दक्षता परख के कार्य करता है।।

राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद 1998 में,
स्थापित एक स्वायत्त संगठन है।
उत्पादकता संस्कृति को समर्पित,
मुख्यालय नई दिल्ली में गठन है।।

प्रतिवर्ष 12 फरवरी को,
राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस मनाते हैं।
गुणवत्ता चेतना को प्रेरित करने हेतु,
उत्पादक तकनीकों में प्रोत्साहन लाते हैं।।

एनपीसी उत्पादक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने,
वृद्धि समाधान प्रदान कार्य करता है।
बेहतर गुणवत्ता और सुरक्षा देता,
उत्पादकता के प्रति जागरूक करता है।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

विश्व रेडियो दिवस

13

मधुर संगीत, गाने और समाचार,
विविध विषयों पर चर्चा की भरमार।
दूर बैठे स्वजनों को देना हो संदेश,
राष्ट्रीयता का भरना हो अगर प्यार।।

काम, एकांत और मनोरंजन का साथी,
दूरदराज क्षेत्रों में करें सूचना का प्रसार।
स्थानीय अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर लाये जागरूकता,
सांस्कृतिक विकास व प्रोत्साहन को बने आधार।।

स्पेन रेडियो एकेडमी ने, 2010 में,
पहली बार दिवस का प्रस्ताव रखा।
2011 यूनेस्को महासभा के 36वें सत्र में,
13 फरवरी को दिवस घोषित किया गया।।

भारत में रेडियो का प्रसारण पहली बार,
जून 1923 रेडियो क्लब मुबंई द्वारा हुआ।
23 जुलाई 1927 को लार्ड इरविन ने उद्घाटन किया,
बाद में 'ऑल इंडिया रेडियो' इसे नाम दिया गया।।

प्रतिवर्ष 13 फरवरी को,
विश्व रेडियो दिवस मनाया जाता है।
रेडियो के महत्व, उपलब्धता पर,
दुनिया में जागरूकता लाया जाता है।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

पुलवामा शहीद दिवस

14

पिया तुम क्यूं रूठ के, सोये हो।
आये हैं लोग बहुत
तुम किन सपनों में खोये हो ।

आर्मी के साथी आये, तुम्हें पहुँचाने,,,,
ऐसी भी क्या बात हुई ।
मुन्ना तुम्हें कब से पुकारे,
उठो,जागों अब प्रभात हुई ।

गाँव की चाची,दादी बोले
खत्म तेरा सुहाग हुआ ।
उठा और बतला दो इनको,
अमर,अखण्ड मेरा सुहाग रहा ।

अम्मा रोये जार-जार,
बाबू जी सुध-बुध खोये है ।
बहना हुई अचेत देखों,
आज कैसे निर्दयी हुए हो ।

कान पकड़ती हूँ मैं,
फिर न कभी सताऊँगी ।
जब जैसा कहोगे
नंगे पाँव दौड़ी आऊंगी ।

अब उठ भी जाओ मेरे पिया,,,
कितना मुझे रुलाओगे ।
कितना मुझे सताओगे,,,,,

पिया तुम क्यों रूठ के सोये हो,,,,,,,,,,,,

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

सुभद्रा कुमारी चौहान पुण्यतिथि

15

हिन्दी के प्रसिद्ध कवित्री और लेखिका,
'झाँसी की रानी' कविता था जिसने लिखा।
स्वाधीनता संग्राम की बनी और स्वयं साक्षी,
विभिन्न यातनाओं को, कहानी रूप में लिखा।।

16 अगस्त, सन् 1904 को,
संयुक्त प्रांत इलाहाबाद में थी जन्मी।
बचपन से ही कविताओं का शौक था,
पिता रामनाथ थे एक शिक्षक प्रेमी।।

1919 में लक्ष्मण सिंह के संग विवाह हुआ,
1921 असहयोग आंदोलन में भाग लिया।
सरल भाषा शैली काव्यात्मक चित्रण से,
'बिखरे मोती' प्रथम कहानी संग्रह किया।।

15 फरवरी, सन् 1948 को,
एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई।
6 अगस्त 1976 को भारत में,
नाम से डाक टिकट जारी की गई।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

दादा साहब फाल्के पुण्यतिथि

16

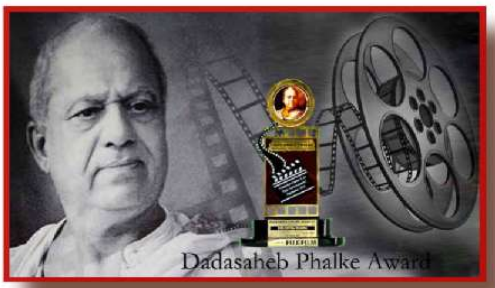

सिनेमा जगत में है ऊँचा नाम,
भारतीय सिनेमा को दिया मुकाम।
30 अप्रैल 1870 में महाराष्ट्र में जन्में,
धुंडीराज गोविन्द फालके था पूरा नाम।।

उनके पिता संस्कृत के प्रकांड पंडित थे,
एलफिंस्टन कॉलेज के प्रधानाध्यापक काम।
1891 विदेशी मुक चलचित्र का पड़ा प्रभाव,
दादा साहब ने चित्रण का कार्य किया महान।।

चलचित्र निर्माण उपकरण खरीदने पहुँचे लंदन,
दादर में स्टूडियो खोला, किया वंदन ।।
'राजा हरिश्चंद्र' पहली मूक फिल्म बनाये,
1912 में केरोनेशन थिएटर में प्रदर्शित कराये।।

दादा साहब ने कुल 125 फिल्में बनाये,
भारतीय सिनेमा का परचम लहराये।
16 फरवरी 1944 को, निधन हुआ,
सम्मान में फाल्के पुरस्कार गये बनाये।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

इत्र दिवस

17

जैस्मिन, ख़स, कस्तूरी, चंदन,
इत्र से होती, इश की वंदन।
इसकी मौजूद की खुशबू विखेरे,
कानन में भी, बन जाता नंदन।।

शादी, पार्टी या हो खास पल,
इत्र महकाये, बनाये खुशनुमा पल।
हृदय के ये एहसास बताता,
शुरभित करता यह प्रेम महल।।

मदहोश करती है खुशबू इसकी,
इक बूंद जो बिखर जाये इसकी।
आयुर्वेद में इत्र बनाने का है वर्णन,
'अस्मत बेगम' ने शुरूआत की जिसकी।।

17 फरवरी को प्रतिवर्ष,
इत्र दिवस मनाया जाता है।
पसंदीदा इत्र का लेन-देन करके,
दिवस विशेष को मनाया जाता है।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

स्वामी रामकृष्ण परमहंस

18

एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक,
धार्मिक एकता और आध्यात्मिकता के प्रवर्तक।
ईश्वर प्राप्ति का मार्ग, कठोर साधना को बताया,
स्वामी रामकृष्ण परमहंस, नाम वह कहलाया।।

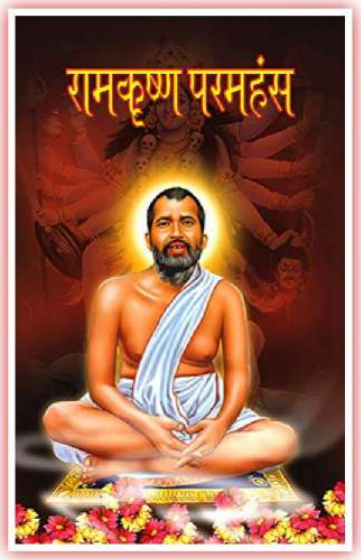

18 फरवरी 1836 को, कामारपुकुर ग्राम,
बंगाल प्रांत में जन्में, बालक गदाधर था नाम।
पिता खुदीराम और माता चंद्रा देवी के पुत्र,
कहा जग को माया रूप, कहें जपो हरी नाम।।

छोटे-छोटे किस्से-कहानियों से दिया संदेश
बताया सभी धर्म पहुँचाते, हमें ईश्वर के देश।
मृदु स्वभाव, मानवीय मूल्यों को श्रेष्ठ बताया
सन्यासी बन, नया नाम रामकृष्ण परमहंस पाया।।

आध्यात्मिक ज्ञान को, जन-जन तक पहुँचाया
स्वामी विवेकानंद को, अपना परम शिष्य बनाया।
16 अगस्त 1886 को चिर निद्रा में हुए विलिन,
सदमार्ग पर चले हम, रहे सदा दुर्गुणों से विहीन।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

छत्रपति शिवाजी

19

हिन्द मराठा साम्राज्य के, वे आन-बान-शान,
शिवनेरी के शिवा, थे कर्तव्य परायण महान।
जय भवानी, हर-हर महादेव का, नारा था गूंजा
सूरज सा तेज लिये, इनसा जन्मा नहीं कोई दूजा।।

19 फरवरी 1630 को, वे शाह जी के आँगन जन्में,
माता जीजाबाई गर्वित-पुलकित हुई, मन ही मन में।
कुशाग्र बुद्धि, बलशाली, पुत्र थे वह आज्ञाकारी,
समर विद्या, शिव-सूत्र, युद्ध करते वो छापामारी।।

शिक्षा, शास्त्र, साहित्य, शास्त्रों के थे वह ज्ञाता,
आजादी के दीवाने, पराधीनता नहीं था भाता।
मराठों का दम-खम, उन्होंने हिंदुस्तान में दिखाया,
सईबाई निंबालक पुणे के, महल में विवाह रचाया।।

शिवाजी का नाम सुन कर, मुगल थे थर्राते,
रण कौशल के सामने, अच्छे-अच्छे घबराते।
मराठा शक्ति को किया, संगठित और मजबूत,
दुश्मन के आगे कभी नहीं, अपना शीश झुकाते।

राजनीतिक प्रथाओं, दरबारी शिष्टाचारों को किया जीवित
अनेक दुर्ग, किला, युद्ध कौशल से किया उन्होंने विजित।
समर्थ गुरु रामदास का, उन्होंने शुभाशीष था पाया,
छत्रपति शिवाजी ने, स्वर्णाक्षरों में नाम लिखवाया।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

विश्व सामाजिक न्याय दिवस

20

गरीबी, बेरोजगारी को दूर कर,
सामाजिक न्याय है जग में लाना।
लैंगिक समानता स्थापित हो,
सामाजिक कल्याण सब तक पहुँचाना ।।

सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने हेतु,
1995 शिखर सम्मेलन कोपनहेगन में किया गया।
रोजगार पूर्ण व स्वस्थ सुरक्षित सामाज हेतु,
विकास योजनाओं को बनाया गया ।।

26 नवम्बर 2007 को महासभा ने,
20 फरवरी सामाजिक न्याय दिवस चुना।
10 जून 2008 के श्रम संगठन ने,
सर्वसम्मति से निष्पक्ष भूमंडलीकरण चुना।।

इस दिन स्कूल, कॉलेजों में,
विशेष गतिविधियां मनाते हैं ।
सामाजिक कल्याण की पहुँच हो कैसे ?
जागरूकता अभियान में, सब बताते हैं।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

21

जिस माहौल में जननी भाव हो,
जिस परिवेश में बालक है जीता।
पुष्पित पल्लवित होता बचपन,
जिस भाषा में अभिव्यक्ति सीखा।।

शब्द पुरातन है 'मातृभाषा'
मातृ सम समृद्ध संस्कृति बनाया।
हंसना, रोना, खाना गाना सब कुछ,
जिस भाषा ने, हमको सिखाया।।

21 फरवरी 1952 बांग्लादेश ने,
भाषाई बलिदान की स्मृति मनाई।
1999 को यूनेस्को की स्वीकृत से,
अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस गई मनाई।।

भाषाई सांस्कृतिक, विविधता और,
बहुभाषावाद की जागरूकता लाना है।
21 फरवरी को, विश्व में प्रतिवर्ष,
अन्तर्राष्ट्रीय मातृ दिवस मनाना है

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

विश्व स्काउट गाइड दिवस

22

जीवन के हर चुनौती को,
साहस, हिम्मत से सुलझायेंगे।
बनेंगे सजग प्रहरी हम सब,
आत्मरक्षा के हुनर सिखायेंगे।।

स्काउट शिक्षा देता सुरक्षा,
सम्भ समाज की करता रक्षा।
स्काउटिंग संघ के सदस्यों द्वारा,
जनक बैडेन पॉवेल पर करते चर्चा।।

दुनिया के स्काउट संघो द्वारा,
22 फरवरी स्थापना दिवस मनाते हैं।
स्काउट की उपयोगिता के प्रति,
समाज में जागरूकता लाते हैं।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

वृंदावन लाल वर्मा पुण्यतिथि

23

हिन्दी साहित्य के एक लेखक,
नाटककार और उपन्यासकार।
उपन्यास को ऊँचाई तक पहुँचाया,
संघर्षमय जीवन गाथा के चित्रकार ।।

9 जनवरी,1889 झाँसी में जन्में,
मऊरानीपुर के कायस्थ परिवार में।
पिता का नाम अयोध्या प्रसाद था,
प्रारंभिक शिक्षा हुई भिन्न-भिन्न स्थान में।।

बुंदेलखंड के ऐतिहासिक विरासत को,
'सेनापति उदल' नाटक 1909 में लिखा था।
उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए उन्हें,
आगरा विश्वविद्यालय ने डी लिट की उपाधि दिया था।।

उपन्यास 'झांसी की रानी' के लिये,
'पद्मभूषण' से अलंकृत किया गया।
23 फरवरी सन् 1969 में देहावसान हुआ,
सन् 1997 को डाक टिकट जारी किया गया।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

केंद्रीय उत्पाद शुल्क दिवस

24

देश के औद्योगिक विकास में,
उत्पाद शुल्क की महत्वपूर्ण भूमिका।

कर भुगतान को आसान बनाने के लिए,
तकनीक के प्रयोग बढ़ावा की है भूमिका।।

केंद्रीय उत्पाद शुल्क अप्रत्यक्ष कर है,
समूचे आमदनी का 1/3 हिस्सा मिलता है।

24 फरवरी 1944 से विभिन्न सेवाओं पर,
केंद्रीय उत्पाद शुल्क लगाया जाता है।।

भारत के सबसे पुराने विभागों में,
1855 में, अंग्रेजों द्वारा हुई स्थापना।

1996 से पहले नमक अधिनियम रूप में,
1944 के रूप में, जाना जाता था।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

साहित्यकार अमरनाथ झा

25

भारत के महान शिक्षाशास्त्री,
प्रसिद्ध विद्वान और साहित्यकार।
हिन्दी को राजभाषा बनाने के समर्थक,
कुशल वक्ता और आप थे रचनाकार।।

25 फरवरी सन 1897 को,
बिहार के मधुबनी जिले में जन्में।
पिता गंगानाथ झा प्रसिद्ध विद्वान थे,
स्कूली परीक्षा पास किए प्रथम श्रेणी में।।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय में,
एम ए परीक्षा में प्रथम आये।
प्रांतीय शिक्षा विभाग' में अध्यापक हुए
20 वर्ष में, अंग्रेजी के प्रोफेसर गये बनाये।

सन् 1938 में, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के,
वाइस चांसलर बन, 1946 तक बने रहे ।
काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाइस चांसलर व,
बिहार लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष बने।।

विभिन्न विश्वविद्यालयों से आपने,
डी०लिट की उपाधि पाई थी ।
1954 में पद्म भूषण सम्मान मिला,
हिन्दी समर्थकों में हर्ष छायी थी।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

वीर सावरकर पुण्यतिथि

26

समाज सुधारक, इतिहासकार, नेता और थे विचारक,
हिन्दुत्व विकसित करने से, मिला नाम वीर सावरकर।
मुम्बई प्रेसिडेंसी' नासिक के पास, भागुर गाँव,
जन्में विनायक, राधाबाई-दामोदर पन्त की छाँव

'नासिक षड्यंत्र' में उनकी भूमिका सामने आई
ब्रिटिश सरकार ने काला पानी की सजा सुनाई
जेल में कील और कोयले से लिखते थे वह कविता
अंडमान के कारावास में, 10 हजार पंक्तियाँ लिखा।

वीर सावरकर ने, 'विदेशी वस्त्रों' की खुद होली जलाई
दो-दो बार उन्होंने, आजीवन कारावास की सजा पाई ।
'अभिनव भारत' नामक, क्रान्तिकारी संगठन बनाया,
आपने 'हिन्दुत्व नास्तिक' का, था खुद पहचान बनाया।।

'इच्छा मृत्यु के' वीर सावरकर थे, प्रबल समर्थक,
माना 'जीवन मिशन' पूरा होने पर, जीना है निरर्थक।
26 फरवरी 1966 को, 82 वर्ष में उनकी मृत्यु हुई,
इतिहासकारों द्वारा, उपवास से इच्छा मृत्यु बताई गई।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

चंद्रशेखर आजाद शहीद दिवस

27

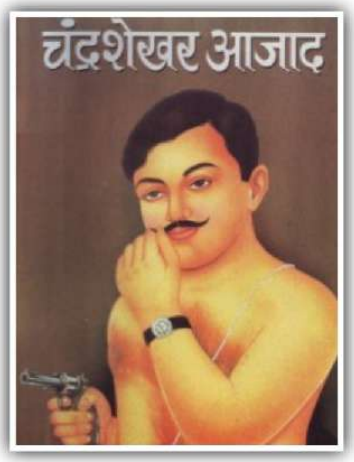

भारत भूमि पर, आजाद जन्म लेकर,
अग्रसर रहे स्वतंत्रता की मशाल लेकर।
भारत माँ की, आजादी का बीड़ा उठाया,
आजादी की अलख, युवाओं में जगाया।।

आजाद सोच-विचार, नाम था आजाद जिनका,
जिला अलीराजपुर म०प्र०, भांवरा गाँव था उनका।
पिता श्री पंडित सीताराम जी के वह पुत्र,
जन्में माता जगदानी जी के गर्भ से सुपुत्र।

वह 'शेर-ए-हिंदुस्तान' थे कहलाये,
भारती के उद्घोष कर, कोड़े खाये।
बचपन में ही सीखा, उन्होंने निशानेबाजी,
अहिंसा ना भाया, गर्म खून के वह साथी।

क्रांति के ललकार को, उन्होंने आवाज लगायी,
अल्फ्रेड पार्क,इलाहाबाद में, मीटिंग थी बुलायी।
कुछ कायर मुखबिरों ने, दिया था उनको धोखा,
मौत को गले लगाया, अंग्रेजी को मिला न मौका।

केसरिया कफन में, 27 फरवरी1931 को बलिदान हुए,
आजादी के हवन कुण्ड में, अपने प्राणों का वे दान दिये।
शत्-शत् नमन तुझे, चन्द्रशेखर "आजाद"
भारत का जन-जन है, ऋणी तेरा आज।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

28

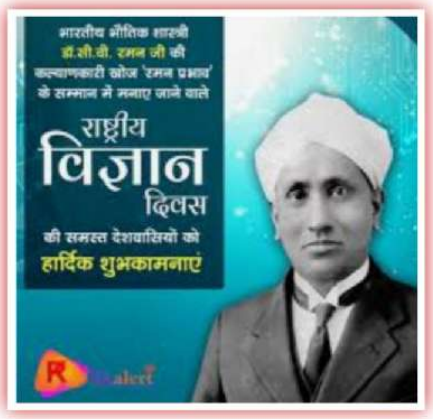

धरती से अम्बर तक चमके,
हर चीज में विज्ञान विराजित है।
खोजी प्रवृत्ति को, ये जन्म देता,
नये तथ्यों की खोज इसमें होती है।।

चरक, सुश्रुत, वाराहमिहिर की गाथा को,
रमन, भाभा, कलाम ने, जिंदा रखा है।
नव पीढ़ी को रचनात्मकता देने को,
इसरो ने नित नये, मिसाइल जग में रखा है।।

28 फरवरी सन 1928 को,
सी वी रमन द्वारा, 'रमन प्रभाव' खोजा गया
भौतिकी का नोबेल पुरस्कार, सना 1930 में,
जिसके लिये, सी वी रमन को,था दिया गया।।

प्रति वर्ष 28 फरवरी को भारत में,
'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' हम मनाते हैं।
विज्ञान की जरूरत और लाभ बताकर
जन-जागरूकता, समाज में लाते हैं।।

रचना-
वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक, डोभी, जौनपुर, यू०पी०

धन्यवाद आपका